GGD OPD FACTS 119 राजपूतों उत्पत्ति मत

ब्राह्मणों से उत्पत्ति
- डॉ. भण्डारकर
- बिजौलिया शिलालेख
- गोपीनाथ शर्मा
- पिंगल सूत्रकृति
- मण्डोर शिलालेख
- वी.एन. पाठक

अग्निकुण्ड से उत्पत्ति
- पृथ्वीराज रासो
- सूर्यमल्ल मिश्रण
- मुहनौत नैंगसी
- किराडू शिलालेख

सूर्यवंशी/चन्द्रवंशी
- जी.एच. ओझा
- हम्मीर महाकाव्य
- पृथ्वीराज विजय
- दशरथ शर्मा
- हर्षनाथ शिलालेख

वैदिक आर्यों की संतान
- सी.वी. वैद्य
- जी.एच ओझा
- मनुस्मृति

विदेशियों की संतान
- कर्नल जेम्स टॉड
- स्मिथ
- विलियम क्रुक
- दशरथ शर्मा

हूणों की संतान
- वी.ए. स्मिथ

शक सीथियन
- कर्नल जेम्स टॉड

यू. ची जाति से
- कनिंघम

GGD OPD FACTS 120 मृत्यु के संस्कार रीति रिवाज

PART-1

- **बखेर** - शव यात्रा के दौरान शव के उपर से पैसे, खील, पतासा, रुई, मूंगफली आदि फेकना ही बखेर कहलाता है।
- **आधेटा/ आधेठा/ आघेटा**-शव यात्रा के दौरान शव की दिशा परिवर्तित करना ही आधेटा कहलाता है।
- **पिंडदान**- कांधियो द्वारा शव की दिशा परिवर्तन(आधेता) के समय पशु पक्षियों को दाना व गाय को आटे से बना पिंड खिलाना पिंडदान कहलाता है।
- **लोपा देना**-चिता में मुखाग्नि/आग देना ही लोपा/लांपा देना कहलाता है।
- **सांतरवाड़ा/सातवाड़ा**-दाहसंस्कार के बाद स्नान करना या हाथ पैर धोना ही सांतरवाड़ा कहलाता है। या अंत्येष्टि क्रिया में गये हुये व्यक्तियों के द्वारा स्नान कर के मृतक व्यक्ति के घर जाकर उसके रिश्तेदारों को सांत्वना देना सातरवाड़ा कहलाता है।
- **औसर/ मौसर/ नुक्ता/ काज/ खर्च**-मृत्यु भोज ही औसर/ मौसर/ नुक्ता/ काज/ खर्च कहलाता है।
- **भद्दर/दाढ़ीं/कातरियाँ**-कांधियों का सिर मुंडवाना , दाड़ी, मूछे कटवाना ही भदर कहलाता है।

A UNIT OF M.R.C. GROUP
च्यवन प्रकाशन

FACTS 121 स्टैच्यू ऑफ यूनिटी

सरदार वल्लभ भाई पटेल संक्षिप्त विवरण

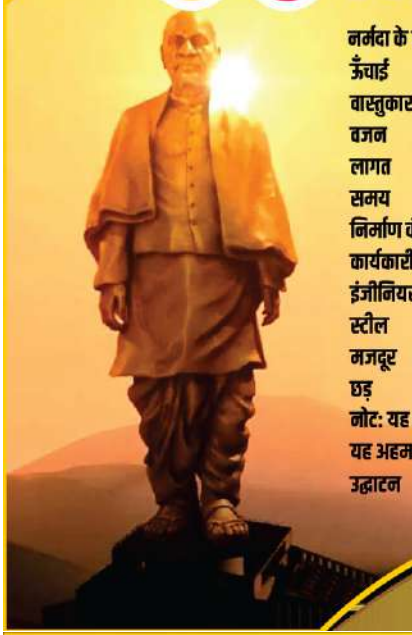

नर्मदा के सरदार सरोवर बाँध के पास साधु आइलैण्ड पर

ऊँचाई	-	182 मीटर (597 फीट)
वास्तुकार	-	श्रीरामवी सुथार
वजन	-	1700 टन
लागत	-	3000 करोड़ (2979 करोड़)
समय	-	45 महीने
निर्माण कंपनियाँ	-	एलएंडटी और सरदार सरोवर नर्मदा निगम लि.
कार्यकारी संस्था	-	सरदार वल्लभ भाई पटेल राष्ट्रीय एकता ट्रस्ट
इंजीनियर	-	250
स्टील	-	5700 मीट्रिक टन
मजदूर	-	3400
छड़	-	18500 मीट्रिक टन

नोट: यह स्टेच्यू ऑफ लिबर्टी से दोगुनी ऊँची है।
यह अहमदाबाद से 200 किमी. दूर स्थित है।

उद्घाटन 31 अक्टूबर 2018 (सरदार पटेल की 143 वीं जयंति)

जन्म	-	31 अक्टूबर, 1875 नडियाद (गुजरात) में
मृत्यु	-	15 दिसम्बर, 1950
पिता	-	झवेर भाई, पटेल
माता	-	लाड़बाई
उपाधियाँ	-	'लौहपुरुष' 'सरदार', "भारत का बिस्मार्क"

इस प्रतिमा पर 6.5 तीव्रता के भूकम्प का कोई असर नहीं होगा

1918 में खेड़ा किसान आंदोलन में गाँधीजी को आमंत्रित कर उनका साथ देने में अग्रणी भूमिका निभाई

FACTS 122 मृत्यु के संस्कार रीति रिवाज PART-2

- **जौसर**-किसी व्यक्ति द्वारा जीते जी अपना मृत्युभोज करवाना जौसर कहलाता है।
- **कांधिया/ कांदिया**-अर्थी/ बैकुण्डी/ शव को ले जाने वाले चार व्यक्तियों व शवयात्रा में शामिल होने वाले व्यक्तियों को कांधिया/ कांदिया कहते है।
- **बैकुण्डी**-बांस या लकड़ी की तैयार की जाने वाली अर्थी/पालकी को बैकुण्डी कहते है।
- **लोकाई/कांगिया**-लोकाई आदिवासियों की शोक/मृत्यु से संबंधित रस्मे/भोज|
- **डाँगड़ी रात** - मृत्यु के ग्यारहवी रात भजन का आयोजन
- **बारहवाँ** - मृत्यु के 12 वे दिन कुछ रस्में। भोज का आयोजन।
- **फुल चुगना** - दाह संस्कार के तीसरे दिन अस्थियों का संचयन करना
- **फुल पदराना** - चुने हुए फुल(अस्थियों) का किसी पवित्र झील या नदी में विसर्जन करना।

A UNIT OF M.R.C. GROUP
च्यवन प्रकाशन

GGD OPD FACTS 123 पैरा एशियाई खेल 2023

- आयोजन स्थल - हांगझोऊ (चीन)
- आयोजन - 22 अक्टूबर से 28 अक्टूबर 2023
- शुभंकर - फेइफेइ
- आदर्श वाक्य - दिल मिलते है सपने चमकते है
- संस्करण - चौथा

- पैरा एशियाई खेलों के चौथे संस्करण में कुल 43 देशों ने भाग लिया।
- इसमें भारत की तरफ से 303 एथलीटों ने भाग लिया।
- कुल 22 खेलों का आयोजन हुआ जिसमें भारत के खिलाड़ियों ने 17 खेलों में भाग लिया।
- भारत की ओर से उद्घाटन समारोह में ध्वजवाहक पारुल परमार व अमित सरोहा थे।
- भारत ने 29 स्वर्ण 31 रजत व 51 कांस्य पदक के साथ कुल 111 पदक जीते।
- भारत अंकतालिका में पांचवे स्थान पर रहा।
- भारत के खिलाडियों ने सर्वाधिक पदक एथलेटिक्स में जीते।
- अवनी लेखरा ने वूमन शूटिंग R2-10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग SH1 कैटेगरी में 249.6 अंक हासिल कर स्वर्ण पदक जीता।
- पुरुषों के भाला फेंक F46 स्पर्धा में 68.60 मी. सुन्दर गुर्जर ने स्वर्ण पदक जीता।

GGD OPD FACTS 124 राजस्थान के प्रमुख संतों की रचनाएं PART-1

1. संत रामचरण जी - अणभैवाणी/अर्णभवाणी
2. संत हरिराम दास जी - निसानी
3. चरणदास जी - धर्मजहाज, अष्टांग योग, भक्ति सागर, दानलीला, ब्रह्म सागर व्रजचरित्र, अमरलोक अखण्डधाम, राम स्वरोदय, नासकेत लीला, शुक्र वर्णन
4. दया बाई - दयाबोध व विनय मलिका
5. सहजो बाई - सहज प्रकाश
6. संत सुन्दरदास - सुन्दर विलास, सर्वांग योग, ज्ञान समुद्र, सुख समाधि, स्वप्न प्रबोध, वेद विचार, सवैया, ज्ञान झूलना, सांगयोग प्रदीपिका, पंच प्रभाव, पंचेन्द्रिय चरित्र
7. प्राणनाथ - कुलजम स्वरूप

GGD OPD FACTS 125 राजस्थान के प्रमुख संतों की रचनाएं PART-2

1 संत दादूदयाल जी - दादू जी री वाणी, दादू दयाल रा दूहा, कायाबेली
2 गरीब दास जी - साखी, अध्यात्म बोध, अर्णभैबोध
3 रज्जब जी - रज्जब वाणी, सर्वंगी
4 बालिंद जी - ओरिलो
5 प्रताप कुंवरी बाई - ज्ञान सागर, ज्ञान प्रकाश, हरिजस, श्रीरामचन्द्र विनय, प्रताप पच्चीसी, रामचन्द्र नाम महिमा
6 गवरी बाई - कीर्तन माला
7 जाम्भोजी - जम्भ सागर, जम्भवाणी, विश्नोई धर्म-प्रकाश
8 रामदेव जी - चौबिस बाणियां
9 मीरा बाई - पदावली, नरसी मेहता नी हुण्डी, रूकमणी मंगल, सत्यभामा जी नूं रूसणों, टीका राग गोविन्द

नोट: नरसी जी रो मायरो ग्रंथ के रचनाकार रतना खाती था।

10 संत पीपा जी - चिंतावाणी
11 गुरू नानक देव - जंपूजी, अंसादी बार
12 संत नवल दास जी - नवलेश्वर अनुभव वाणी

GGD OPD FACTS 126 गुर्जर प्रतिहार

शासक	उपाधियाँ	विशेष विवरण
नागभट्ट प्रथम	नागावलोक, नारायण, मलेच्छों का नाशक	जालौर, कन्नौज व अवन्ती के प्रतिहार वंश का संस्थापक भीनमाल के बाद अंवति को दूसरी राजधानी बनाया।
वत्सराज	रणहस्तिन, जयवराह	प्रतिहार वंश का वास्तविक संस्थापक त्रिपक्षीय संघर्ष की शुरूआत इनके समय हुई
नागभट्ट द्वितीय	परम भट्टारक, महाराजाधिराज, परमेश्वर, गवालियर प्रशस्ति में इसे 'कर्ण' की उपाधि दी गई	इसने कन्नौज को राजधानी बनाया।
मिहिरभोज	आदिवराह (गवालियर प्रशस्ति), प्रभास (दौलतपुर अभिलेख) सम्पूर्ण पृथ्वी को जीतने वाला है (बग्रमा शिलालेख)	इन्हें प्रतिहारों का पितृहंता कहा जाता है।
महेन्द्रपाल प्रथम	निर्भय नरेश, रघुकुल चूड़ामणि, निर्भयराज, महेन्द्रयुद्ध	अन्य शासक व उपाधियां हरिशचन्द्र - रोहिलिद्धि
महिपाल प्रथम	विनायकपाल, हेरंभपाल, रघूकुल मुकुटमणि	नरभट्ट - पिल्लपाणि

GGD OPD FACTS 127 प्रमुख गांधी एक साथ

1	राजस्थान का गांधी	- गोकुल भाई भट्ट
2	चिड़ावा का गांधी	- मास्टर प्यारेलाल
3	शेखावाटी का गांधी	- बद्रीनारायण सोढ़ाणी
4	आदिवासियों का गांधी	- मोतीलाल तेजावत
5	वागड़ का गांधी	- भोगीलाल पंड्या
6	मेवाड़ का गांधी	- माणिक्यलाल वर्मा
7	मारवाड़ का गांधी	- जयनारायण व्यास
8	मालाणी का गांधी	- वृद्धिचंद जैन
9	आधुनिक मारवाड़ का गांधी	- अशोक गहलोत
10	गांधी जी का पाचंवा पुत्र	- जमनालाल बजाज

अन्य गाँधी

सीमांत गाँधी	- अब्दुल गफफार खां
भारत का दूसरा गाँधी	- अन्ना हजारे
बिहार का गाँधी	- राजेन्द्र प्रसाद
ब्लैक गाँधी	- मार्टिन लुथर
आधुनिक भारत का गाँधी	- बाबा आम्टे
कर्नाटक का गाँधी	- सदाशिव राव

नोट: गांधीजी के चार पुत्र ट्रिक
रामदेव ही गांधी के चार पुत्र है
रामलाल, मणिलाल, देवीलाल, हीरालाल
गाँधी जी की मानस पुत्री - सत्यभामा

GGD OPD FACTS 128 लूनी नदी

- उद्गम - नाग पहाड़ (अजमेर)
- नागपहाड़ (अजमेर) से सागरमती नदी व पुष्कर की पहाड़ियों से सरस्वती नदी निकलकर अजमेर के गोविन्दगढ़ नामक स्थान पर दोनों नदियां मिलती है। तब इसका नाम लूनी नदी होता है।
- उपनाम: मरूस्थल की गंगा, आधी खारी-आधी मिट्टी
- कालीदास ने इस नदी को 'अन्त: सलीला' कहा।
- सांचौर में लूनी नदी का प्रवाह क्षेत्र रेल/नाड़ा के नाम से जाना जाता है।

प्रवाह क्षेत्र:- अजमेर-नागौर, ब्यावर- जोधपुर-बालोतरा - बाड़मेर-सांचौर

- सहायक नदियाँ:- जोजरी नदी, बाण्डी नदी, सूकड़ी नदी, खारी नदी, सागी नदी, मीठड़ी नदी, गुहिया नदी, जवाई नदी
- जोजड़ी नदी लूनी की एकमात्र सहायक नदी है जो दायीं ओर से मिलती है।
- लूणी नदी पर बिलाड़ा में जसवंत सागर बांध बना हुआ है।

A UNIT OF M.R.C. GROUP
च्यवन प्रकाशन

GGD OPD FACTS 129

माही नदी

उद्गम - मेहद झील (अमरोरू की पहाड़ियां - धार जिला एम.पी.)
उपनाम - कांठल की गंगा, आदिवासियों की गंगा, दक्षिणी राजस्थान की स्वर्ण रेखा, बांगड़ की गंगा
लम्बाई - माही नदी की कुल लम्बाई 576 किमी. व राजस्थान में 171 किमी. है।

- माही नदी का प्रवाह मध्यप्रदेश, राजस्थान व गुजरात राज्य में है।
- यह नदी कर्क रेखा को दो बार काटती है।
- राजस्थान में इसके प्रवाह क्षेत्र को छप्पन का मैदान कहा जाता है।
- सुजलाम-सुफलाम क्रांति का संबंध माही नदी से है।
- राजस्थान में प्रवेश बांसवाड़ा के खांदू गांव से।
- बांसवाड़ा जिले के बोरखेड़ा गांव के समीप इस नदी पर माही बजाज सागर बांध बनाया गया है।
- बेणेश्वर (डूंगरपुर) में इस नदी पर त्रिवेणी संगम है जहां सोम, माही व जाखम नदियाँ मिलती है।
- रमकड़ा उद्योग के प्रसिद्ध गलियाकोट व दाउदी बोहरा सम्प्रदाय का प्रमुख तीर्थ स्थल इसी नदी के किनारे स्थित है।
- माही नदी पर कागदी-पिकअप बाँध (बांसवाड़ा) बना हुआ है।

GGD OPD FACTS 130

माही नदी PART-2

- डूंगरपुर जिले के नवाटापुर गांव में बेणेश्वर नामक स्थान पर माही नदी के त्रिवेणी संगम पर माघ पूर्णिमा को बेणेश्वर मेला लगता है जिसे आदिवासियों का कुम्भ कहा जाता है।
- माही नदी का राजस्थान में प्रवाह क्षेत्र - बांसवाड़ा - प्रतापगढ़- डूंगरपुर
- माही नदी की सहायक नदियाँ - सोम नदी, जाखम नदी, इरू नदी, अनास नदी, चाप नदी, एरन नदी, भादर नदी, मोरेन नदी, एराव नदी आदि।
- माही नदी के किनारे प्रतापगढ़ का भू-भाग कांठल कहलाता है।
- यह नदी बांसवाड़ा व डूंगरपुर के मध्य सीमा का निर्धारण कर दोनों को अलग करती है।

A UNIT OF M.R.C. GROUP
च्यवन प्रकाशन

GGD OPD FACTS 131

चम्बल नदी

- उद्गम - जनापाव की पहाड़ी (एम.पी.)
- उपनाम - चर्मण्वती नदी, राजस्थान की कामधेनू, नित्यवाही नदी
- चम्बल नदी राजस्थान में चौरासीगढ़ (चितौड़) से प्रवेश करती है।
- यह राजस्थान में सर्वाधिक अवनालिका अपरदन नदी है।
- चम्बल नदी का अपवाह क्षेत्र वृक्षाकार है।
- यह राजस्थान व मध्यप्रदेश के मध्य अन्तर्राज्यीय सीमा बनाती है।
- राजस्थान की एकमात्र नदी जिसके 100 किमी. के दायरे में तीन बांध बनाये गये है।
- चम्बल नदी पर राजस्थान में राणा प्रताप सागर बांध (चितौड़गढ़), जवाहर सागर बांध (कोटा) व कोटा बैराज बांध बनाया गया है।
- प्रवाह क्षेत्र:- चितौड़गढ़, कोटा, बूंदी, सवाई माधोपुर, करौली व धौलपुर
- सहायक नदियाँ:- बनास, बामनी, परवन, आलनिया, कुराल, मेज, पार्वती, सीप, कालीसिंध
- उत्तर प्रदेश के इटावा के मुरादगंज नामक स्थान पर यमुना नदी में मिल जाती है।

A UNIT OF M.R.C. GROUP
च्यवन प्रकाशन

GGD OPD FACTS 132

बिजौलिया शिलालेख

- यह शिलालेख भीलवाड़ा के बिजौलिया गांव में पार्श्वनाथ मंदिर में लगा हुआ है।
- यह शिलालेख चौहान शासक सोमेश्वर के समय (1170 ई.) का है।
- इस शिलालेख के रचयिता गुणभद्र व लेखक कायस्थ केशव है।
- उत्कीर्णकर्त्ता: गोविंद
- इस शिलालेख को दिगम्बर जैन श्रावक लोलाक ने पार्श्वनाथ मंदिर व कुण्ड निर्माण की स्मृति में लगाया था।
- इस शिलालेख से अजमेर व सांभर के चौहान वंश की जानकारी मिलती है।
- इस शिलालेख में चौहानों को वत्स गात्रीय ब्राह्मण बताया गया है।
- शिलालेख से ज्ञात होता है कि विग्रहराज चतुर्थ ने दिल्ली को अपने अधीन किया था।
- बिजौलिया शिलालेख में सांभर झील का निर्माता वासुदेव चौहान को माना है।

बिजौलिया शिलालेख में उल्लेखित नगरों के नाम:-

पुराना नाम	नया नाम
जाबालिपुर	जालौर
नड्डुल	नाडौल
शाकम्भरी	सांभर
विंध्यवल्ली	बिजौलिया
श्रीमाल	भीनमाल
दिल्लिका	दिल्ली
मण्डलकर	माण्डलगढ़
नागह्रद	नागदा

गौरव सिंह घाणेराव सर द्वारा अनूठी मुहिम ...हर सुबह की शुरुआत GGD FACTS के साथ ...

GGD OPD FACTS 133

राष्ट्रपति शासन

अनु. 356 के तहत अब तक राजस्थान में चार बार राष्ट्रपति शासन लागू किया गया।

	कब से कब तक	कारण	राज्यपाल	मुख्यमंत्री
प्रथम	13 मार्च 1967 से 26 अप्रैल 1967	विधानसभा में अस्पष्ट बहुमत	डॉ. सम्पूर्णानन्द सरदार हुकुम सिंह	मोहनलाल सुखाड़िया
द्वितीय	30 अप्रैल 1977 से 21 जून 1977	विधानसभा में बहुमत सिद्ध नही कर पाई	वेदपाल त्यागी, रघुकुल तिलक राष्ट्रपति: बी.डी. जत्ती (कार्यवाहक)	हरिदेव जोशी
तृतीय	17 फरवरी 1980 से 05 जून 1980	विधानसभा में बहुमत सिद्ध नही कर पाई	रघुकुल तिलक राष्ट्रपति: नीलम संजीव रेड्डी	भैरोसिंह शेखावत
चतुर्थ	15 दिसम्बर 1992 से 3 दिसम्बर 1993	बाबरी मस्जिद विवाद	एम. चेन्नारेड्डी, बलिराम भगत राष्ट्रपति: शंकर दयाल शर्मा	भैरोसिंह शेखावत

राजस्थान में पहली बार सबसे कम अवधि के लिए (48 दिन) पहला राष्ट्रपति शासन लगाया गया। इस समय भारत के राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन थे।

सर्वाधिक अवधि के लिए राष्ट्रपति शासन - चौथी बार

गौरव सिंह घाणेराव सर द्वारा अनूठी मुहिम ...हर सुबह की शुरुआत GGD FACTS के साथ ...

GGD OPD FACTS 134

मुख्यमंत्री

- अनुच्छेद 164 के तहत राज्यपाल द्वारा विधानसभा में बहुमत दल के नेता को मुख्यमंत्री नियुक्त किया गया जाता है।
- अनु. 163 के तहत राज्यपाल को सहायता व सलाह देने के लिए एक मंत्रीपरिषद् होगी जिसका प्रधान मुख्यमंत्री होगा।
- कार्यकाल - 5 वर्ष
- उम्र - न्यूनतम 25 वर्ष
- शपथ - संबंधित राज्य के राज्यपाल द्वारा
- मुख्यमंत्री पद व गोपनीयता की शपथ लेता है।
- राजस्थान के प्रथम मुख्यमंत्री - श्री हीरालाल शास्त्री (मनोनित)
- राजस्थान के प्रथम निर्वाचित मुख्यमंत्री - श्री टीकाराम पालीवाल
- राजस्थान के एकमात्र मनोनित व निर्वाचित मुख्यमंत्री - श्री जयनारायण व्यास
- राजस्थान में सर्वाधिक कार्यकाल वाले मुख्यमंत्री - श्री मोहनलाल सुखाड़िया
- श्री टीकाराम पालीवाल भ्रष्टाचार उन्मूलन समिति (1962) के सदस्य रहे।
- राजस्थान में न्यूनतम कार्यकाल वाले मुख्यमंत्री - श्री हीरालाल देवपुरा
- 23 फरवरी 1985 ई. को डीग गोलीकाण्ड में इस्तीफा देने वाले मुख्यमंत्री - श्री शिवचरण माथुर
- 1971 के भारत-पाक युद्ध के समय राजस्थान के मुख्यमंत्री - श्री बरकतुल्लाह खां
- महादेवी वर्मा पर आपत्तिजनक टिप्पणी के कारण इस्तीफा देने वाले मुख्यमंत्री - श्री जगन्नाथ पहाड़िया

A UNIT OF M.R.C. GROUP
च्यवन प्रकाशन

गौरव सिंह घाणेराव सर द्वारा अनूठी मुहिम ...हर सुबह की शुरुआत GGD FACTS के साथ ...

GGD OPD FACTS 135

थार से सम्बन्धित

☛ थार का घड़ा	चांदन नलकूप (जैसलमेर)	☛ थार की गंगा	लूणी
☛ थार का कल्पवृक्ष	खेजड़ी.	☛ थार का चीता	गोडावण
☛ थार की वैष्णो दवी	तनोट माता	☛ थार की जीवन रेखा	इंदिरा गांधी नहर परियोजना
☛ थार का जलमहल	बाटाडू कुआँ	☛ थार होटल	बाड़मेर
☛ थार की लता	रुकमा देवी	☛ थार महोत्सव	बाड़मेर
☛ थार का सागवान	रोहिड़ा	☛ थार का लाल	स्वरूप खाँ मांगणियार

गौरव सिंह घाणेराव सर द्वारा अनूठी मुहिम ...हर सुबह की शुरुआत GGD FACTS के साथ ...

GGD OPD FACTS 136

प्रमुख शहर

✦ व्हाइट सिटी	- उदयपुर	✦ जिंक सिटी	- उदयपुर
✦ पिंक सिटी	- जयपुर	✦ ग्रीन सिटी	- बाँसवाड़ा
✦ ब्लू सिटी	- जोधपुर	✦ विंड सिटी	- जैसलमेर
✦ येलो सिटी	- जैसलमेर	✦ लेक सिटी	- उदयपुर
✦ गोल्डन सिटी	- जैसलमेर	✦ एजुकेशन सिटी	- कोटा
✦ ऑरेंज सिटी	- झालावाड़	✦ म्यूजियम सिटी	- जैसलमेर

GGD OPD FACTS 137 राजस्थान के प्रमुख व्यक्ति-उपनाम

घोड़े वाले बाबा	कर्नल जेम्स टॉड	आदिवासियों का मसीहा	भोगीलाल पांड्या
दा साहब	हरिभाऊ उपाध्याय	गांधीजी के पाँचवे पुत्र	जमनालाल बजाज
राजस्थान का गांधी	गोकुल भाई भट्ट	स्वतंत्रता संग्राम का भामाशाह	दामोदर दास राठी
वांगड़ के गांधी	भोगीलाल पांड्या	1857 की क्रांति का भामाशाह	अमरचंद बांठिया
सीमांत गांधी	खान अब्दुल गफ्फार खान	राजस्थान का भामाशाह	जमनालाल बजाज
जोहड़े वाले बाबा	राजेंद्र सिंह (अलवर)	राजस्थान का दूसरा भामाशाह	अमरचंद बाठिया
रेल वाले बाबा	किशनलाल सोनी (बूंदी)	राजस्थान का कबीर	दादूदयाल जी
केमल मेन	अशोक टाँक	किसान आंदोलन का जनक	विजयसिंह पथिक
ऊँटों का ब्यूटीशियन	अशोक टाँक	मेवाड़ केसरी, मेवाड़ टीक	महाराणा प्रताप

GGD OPD FACTS 138 राजस्थान के प्रमुख व्यक्ति-उपनाम PART-2

मेवाड़ का उद्धारक	भामाशाह	राजस्थान का लौह पुरूष	दामोदर लाल व्यास
राजस्थान इतिहास का जनक	कर्नल जेम्स टॉड	राजस्थान का नृसिंह	भक्त कवि दुर्लभ
आधुनिक भारत का भागीरथ	महाराजा गंगासिंह	स्टील किंग	लक्ष्मी निवास मित्तल
डिंगल भाषा का हेरोंस	पृथ्वीराज राठौड़	मेवाड़ के भीष्म पितामह	कुँवर चूड़ा
राजपूताने का अबुल फजल	मुहणोत नैणसी	मारवाड़ का प्रताप	रावचंद्र सेन
भीलों के चितेरे	गोवर्धन लाल बाबा	राजस्थान का भूला बिसरा राजा	रावचंद्र सेन
राजस्थान का नेहरू	पं. युगल किशोर चतुर्वेदी	हल्दीघाटी का शेर	महाराणा प्रताप
दूसरा जवाहरलाल नेहरू	पं. युगल किशोर चतुर्वेदी	कलियुग का कर्ण	राव लूणकरण
जोधपुर का तानसेन	अली अकबर खान	राजस्थान के लोकनायक	जयनारायण व्यास

GGD OPD FACTS 139 ICC क्रिकेट विश्व कप 2023

संस्करण	- 13 वां	ग्लोबल पार्टनर कंपनी	- मास्टर कॉर्ड
आयोजन	- 5 अक्टूबर से 19 नवंबर 2023	एंथम सॉंग	- दिल जश्न बोले (संगीतकार - प्रीतम)
आयोजन स्थल	- भारत (10 स्टेडियमों में)	उद्घाटन मैच	- इंग्लैंड विरुद्ध न्यूजीलैंड (नरेंद्र मोदी स्टेडियम, अहमदाबाद)
कुल मैच	- 48	फाईनल मैच	- भारत विरुद्ध ऑस्ट्रेलिया (नरेंद्र मोदी स्टेडियम, अहमदाबाद) 19 नवम्बर 2023
कुल देश	- 10	विजेता टीम	- ऑस्ट्रेलिया (6 विकेट)
शुभंकर	- ब्लेज व टोंक	फाईनल मैच मैन ऑफ द मैच	ट्रेविस हेड
ग्लोबल एम्बेसडर	- सचिन तेंदुलकर	प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट	- विराट कोहली
ब्रांड एम्बेसडर	- शाहरुख खान		

GGD OPD FACTS 140 ICC क्रिकेट विश्व कप 2023 PART-2

- ✓ ICC क्रिकेट विश्व कप 2023 में सर्वाधिक रन बनाने वाला खिलाड़ी - विराट कोहली (11 मैचों में 765 रन)
- ✓ क्रिकेट विश्व कप 2023 में सर्वाधिक विकेट लेने वाला गेंदबाज - मोहम्मद शमी (7 मैचों में 24 विकेट)
- ✓ अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट इतिहास में टाइम आउट होने वाला पहला खिलाड़ी - एंजेलो मैथ्यूज (श्रीलंका)
- ✓ विश्व कप 2023 में विजेता टीम को मिली राशि - 33.33 करोड़
- ✓ विश्व कप 2023 में रनर अप टीम को मिली राशि - 16.65 करोड़
- ✓ विश्व कप 2023 में सबसे तेज शतक लगाने वाला खिलाड़ी - ग्लेन मैक्सवेल (40 गेंदों पर नीदरलैंड के खिलाफ)
  ग्लेन मैक्सवेल ने अफगानिस्तान के खिलाफ 128 गेंदों पर 201 रन बनाए थे जो विश्व इतिहास का सबसे तेज दोहरा शतक था।
- ✓ ICC ODI क्रिकेट का आयोजन 4 वर्ष के अंतराल में होता है।
- ✓ ICC ODI क्रिकेट विश्व कप 2027 का आयोजन द. अफ्रीका, नामीबिया व जिम्बाब्वे में किया जाएगा।
- ✓ इस वर्ष भारत ने पहली बार पूरे विश्व कप की मेजबानी की जबकि 1987, 1996 व 2011 में भारत संयुक्त मेजबानी में शामिल था।

GGD OPD FACTS 141

राजस्थान से संबंधित प्रमुख उपनाम
पार्ट-1

राजस्थान	खनिजों का अजायबघर
गोड़ावन	ग्रेट इंडियन बस्टर्ड
खेजड़ी	राजस्थान का कल्प वृक्ष
पन्ना (तामड़ा)	हरी अग्नि
सिसोदिया वंश	हिंदूआ सूरज
बनास नदी	वशिष्ठी
बनास नदी	वन की आशा (वर्णाशा)
चंबल नदी	चर्मण्वती
लूनी नदी	लवण्वती
लूनी नदी	मारवाड़ की गंगा
काकनी नदी	मसूरदी नदी
घग्घर नदी	मृत नदी
इंदिरा गांधी नहर	राजस्थान की मरु गंगा

GGD OPD FACTS 142

राजस्थान से संबंधित प्रमुख उपनाम
पार्ट-2

मारवाड़ की भागीरथी	नर्मदा नहर
अर्जुन की गंगा	बाणगंगा नदी
वांगड़ व कांठल की गंगा	माही नदी
भारतीय जल विभाजक रेखा	अरावली पर्वतमाला
राजस्थान की कामधेनु	राठी गाय व चंबल दोनों
5 वाँ वेद व 19 वाँ पुराण	वेलि क्रिसन रुकमणी री
भारत की मेरिनो	चोकला भेड़
राजस्थान की आत्मा	घूमर नृत्य
लोकनाट्यो का मेरु नाट्य	गवरी/राई नृत्य
राजस्थान का खेल नृत्य	नेजा नृत्य
राजस्थान का गजेटियर	मारवाड़ रा परगना री विगत
चमत्कारित विराट वस्तु	भाखड़ा बाँध (सतलज नदी)
आधुनिक भारत का मंदिर	बहुउद्देशीय नदी घाटी योजनाएँ

A UNIT OF M.R.C. GROUP
च्यवन प्रकाशन

GGD OPD FACTS 143 भारतीय संविधान

- भारतीय संविधान को बनने में कुल **2 वर्ष 11 माह व 18 दिन** का समय लगा।
- मूल संविधान में **395 अनुच्छेद, 22 भाग व 8 अनुसूचियां** थी।
- 1935 में **एम. एन. रॉय** ने पहली बार संविधान सभा के गठन की मांग रखी थी।
- भारतीय संविधान मूल रूप से **हिंदी व अंग्रेजी** दो भाषाओं में लिखा गया है।
- भारतीय संविधान को **Bag of Borrowings** भी कहा जाता है।
- **डॉ. भीमराव अम्बेडकर** को भारतीय संविधान का जनक कहा जाता है।

संविधान दिवस

- संविधान दिवस हर वर्ष **26 नवम्बर** को मनाया जाता है।
- **26 नवम्बर 1949** को भारतीय संविधान सभा ने औपचारिक रूप से भारत के संविधान को अपनाया था लेकिन **26 जनवरी 1950** को भारत का संविधान लागू हुआ।
- 26 नवम्बर को हर वर्ष **संविधान दिवस** के रूप में मनाने की घोषणा केन्द्र सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा **19 नवम्बर 2015** को की थी। इसे **राष्ट्रीय कानून दिवस** के नाम से भी जाना जाता है।

A UNIT OF M.R.C. GROUP
च्यवन प्रकाशन

GGD OPD FACTS 144

कार्तिक पूर्णिमा को लगने वाले मेले

- **पुष्कर मेला (पुष्कर, अजमेर)** - कार्तिक शुक्ल एकादशी से पूर्णिमा तक
  इसे मेरवाड़ा का कुम्भ भी कहा जाता है।
  यह राजस्थान का सबसे रंगीन मेला माना जाता है।
  पुष्कर मेले पर वर्ष 2007 में 2 रुपये का डाक टिकट जारी किया गया था।
- **कपिल मुनि का मेला - कोलायत (बीकानेर)**
  यह जांगल प्रदेश का बसे बड़ा मेला है।
  यहां का दीपदान महोत्सव प्रसिद्ध है।
- **चन्द्रभागा मेला (झालरापाटन, झालावाड़)**
  इसे हाड़ौती का सुरंगा मेला भी कहा जाता है।
  Note - कपिल धारा मेला - बारां
- कार्तिक पूर्णिमा को घाटोल (बांसवाड़ा) में **गोपेश्वर मेला** भरता है।
- कार्तिक पूर्णिमा को सहवा (चूरू) में **सिक्खों का सबसे बड़ा मेला** भरता है।
  - सिक्खों के पहले **गुरु गुरुनानक** जी की जयंती भी कार्तिक पूर्णिमा को मनायी जाती है।
  - कार्तिक पूर्णिमा को **त्रिपुर पूर्णिमा व सत्यनारायण पूर्णिमा** भी कहते है

GGD OPD FACTS 145

जसनाथ जी

- प्रवर्तक : जसनाथ जी (जसनाथ जी ने 1504 ई. में बीकानेर के कतरियासर में जसनाथी सम्प्रदाय की स्थापना की।)
- प्रधान पीठ: कतरियासर (बीकानेर) प्रमुख ग्रंथ : सिंभूदड़ा व कोंडा
- जसनाथ जी ने 36 नियम बनाये जिसका पालन जसनाथी सम्प्रदाय के अनुयायी करते है।
- इस सम्प्रदाय के अनुयायी अग्नि नृत्य करते है। इस दौरान फतै-फतै व सिद्ध रुस्तम जी का उद्घोष करते है।
- इस सम्प्रदाय के लोग मोर पंख व जाल वृक्ष को पवित्र मानते है।
- जसनाथी सम्प्रदाय के प्रमुख संत : लाल नाथ जी, चोखनाथ जी, सवाई दास जी, रुस्तम जी
- जसनाथी सम्प्रदाय की 5 उप पीठें

लिखमादेसर पीठ	- बीकानेर (हांसोजी द्वारा)	बम्बलू पीठ	- बीकानेर (हारो जी द्वारा)
पुनरासर पीठ	- बीकानेर (हालोजी द्वारा)	पांचला	- नागौर (बोयत जी द्वारा)
मालासर पीठ	- बीकानेर (टोडर जी द्वारा)		

- जसनाथ जी के गुरु का नाम गोरखनाथ था।
- गोरखमालिया (बीकानेर) मे जसनाथ जी ने 12 वर्ष तक तपस्या की थी।
- जसनाथ जी ने लोह पांगल नामक तांत्रिक का वध किया था।

A UNIT OF M.R.C. GROUP
च्यवन प्रकाशन

GGD OPD FACTS 146

विश्नोई सम्प्रदाय

- प्रवर्तक: जाम्भोजी (जाम्भोजी ने 1485 ई. में समराथल (बीकानेर) में विश्नोई सम्प्रदाय की स्थापना की।
- जाम्भोजी ने 29 नियम बनाये जिसका पालन विश्नोई सम्प्रदाय के अनुयायी करते है।
- जाम्भोजी के गुरु का नाम गोरखनाथ था।
- जाम्भोजी के कहने पर दिल्ली के सुल्तान सिकन्दर लोदी ने गौ हत्या पर रोक लगाई थी।
- इनका प्रवचन स्थल सांथरी कहलाता है।
- पाहल: जाम्भोजी द्वारा अभिमंत्रित जल ✦ प्रधान पीठ: मुकाम (नोखा, बीकानेर)
- मुकाम गांव में जाम्भोजी का समाधि स्थल हैं जहां फाल्गुन अमावस्या व आश्विन अमावस्या को मेला लगता है।
- ग्रंथ : जम्भ सागर, जम्भ संहिता, विश्नोई धर्म प्रकाश
- विश्नोई सम्प्रदाय को हरे वृक्षों की रक्षा के लिए जाना जाता है।
- विश्नोई नीले वस्त्र नही पहनते है। ✦ जाम्भोजी का बचपन का नाम धनराज था।

A UNIT OF M.R.C. GROUP
च्यवन प्रकाशन

GGD OPD FACTS 147

सहरिया जनजाति

सहरिया जनजाति राजस्थान में सर्वाधिक बारां जिले के किशनगंज व शाहबाद तहसीलों में निवास करती है।
राजस्थान की एकमात्र जनजाति जिसको भारत सरकार द्वारा आदिम जनजाति सूची में शामिल किया गया
कोड़ियामाता - सहरिया जनजाति की कुलदेवी

सहरिया जनजाति की शब्दावली

सहराना :- सहरिया जाति की बस्ती को सहराना कहा जाता है।
सहरोल :- सहरिया जनजाति के गांव
टापरी :- सहरिया जनजाति के घर
बंगला या हथाई :- सहरियों के गांव के बीच में एक झोंपड़ीनुमा सामुदायिक घर होता है, जिसे ये लोग बंगला या हथाई कहते है।
कोतवाल: सहरिया जनजाति का मुखिया

मेले

सीताबाड़ी मेला - यह मेला ज्येष्ठ अमावस्या को बारां जिले में लगता है। यह मेला सहरिया जनजाति का कुम्भ कहलाता है।
कपिलधारा मेला - यह मेला बारां जिले में कार्तिक पूर्णिमा को लगता है।

GGD OPD FACTS 148

प्रमुख शासकों के दरबारी साहित्यकार

शासक	दरबारी साहित्यकार
जसवंत सिंह-प्रथम, गजसिंह	मुहणोत नैणसी
महाराजा मानसिंह (जोधपुर)	बांकीदास
रतन सिंह (बीकानेर)	दयालदास
पृथ्वीराज चौहान	चन्दरबरदायी, जयानक
बीसलदेव चौहान	नरपति नाल्ह
मानसिंह प्रथम, आमेर	कवि नरोत्तम, हापा बारहठ
महाराजा जसवंत सिंह	मुरारीदान
महाराजा सूरसिंह	माधोदास दधवाड़िया
गजसिंह जी	हेम कवि, केशवदास

शासक	दरबारी साहित्यकार
अभयसिंह	रतनू चारण वीरभाण, करणीदान
राव रामसिंह बूँदी	सूर्यमल्ल मिश्रण
अजीत सिंह	जगजीवन भट्ट
राजसिंह (मेवाड़)	रणछोड़ भट्ट, सदाशिव
महाराणा कुम्भा	कान्ह व्यास, मण्डन
महाराणा सज्जनसिंह	श्यामलदास
महाराणा जगतसिंह द्वितीय (मेवाड़)	कवि नंदराम
महाराणा प्रताप	चक्रपाणि मिश्र
राव कल्याणमल (बीकानेर)	बीठु सूजा
अनूप सिंह	भाव भट्ट

GGD OPD FACTS 149

विजय स्तम्भ

- विजय स्तम्भ का निर्माण 1440 ई. में महाराणा कुम्भा द्वारा सारंगपुर युद्ध की विजय के उपलक्ष्य में करवाया गया।
- (1440 ई. में इसका निर्माण शुरू हुआ जो 1448 ई. में पूर्ण हुआ)
- विजय स्तम्भ के वास्तुकार जैता व उसके पुत्र नापा, पोमा व पूंजा थे।
- विजय स्तम्भ 9 मंजिला ईमारत हैं इसकी ऊंचाई 120 फीट है तथा इसमें 157 सीढ़िया है।
- विजय स्तम्भ की तीसरी मंजिल पर 9 बार अल्लाह शब्द लिखा हुआ है।
- उपनाम:- भारतीय मूर्तिकला का विश्वकोष/मूर्तियों का अजायबघर
- विजय स्तम्भ पर 15 अगस्त 1949 को एक रुपये का डाक टिकट जारी किया गया।
- विजय स्तम्भ राजस्थान पुलिस व माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान का प्रतीक चिन्ह है।

इतिहासकारों द्वारा विजय स्तम्भ को दिए गए उपनाम/कथन

☆ लोकजीवन का रंगमंच	-	गोपीनाथ शर्मा
☆ पौराणिक देवताओं का अमूल्य कोष	-	जी.एच. ओझा
☆ विष्णु ध्वजगढ़	-	डॉ. उपेन्द्रनाथ
☆ भारतीय मूर्तिकला का विश्कोष	-	डॉ. गोट्ज

फर्ग्यूसन ने इसकी तुलना 'रोम के टार्जन' से की।

GGD OPD FACTS 150

मीनाकारी

- सोने व चांदी के आभूषणों व कलात्मक वस्तुओं पर चित्रकारी करने व रंग भरने की कला को मीनाकारी कहा जाता है।
- मीनाकारी का उद्भव ईरान/पर्शिया से माना जाता है।
- आमेर के महाराजा मानसिंह प्रथम द्वारा मीनाकारी कला के कलाकारों को लाहौर से आमेर लाया गया।
- मीनाकारी में मुख्यत: लाल व हरे रंग का प्रयोग होता है।
- सरदार कुदरत सिंह को मीनाकारी का जादूगर माना जाता है जिन्हे 1988 ई. में पद्मश्री पुरस्कार से नवाजा गया।
- प्रमुख कलाकार : कुदरत सिंह, दुर्गासिंह, कैलाशचन्द्र, हरिसिंह, अमरसिंह, मुन्नालाल, किशनसिंह, काशीनाथ

- पीतल पर मीनाकारी - जयपुर व अलवर
- चांदी पर मीनाकारी - नाथद्वारा
- सोने पर मीनाकारी - प्रतापगढ
- तांबे पर मीनाकारी - भीलवाड़ा

मीनाकारी के प्रकार

- सफेद चलवां
- बूंद तिला/ शबनम/छटवां
- लाल जमीन
- तैयारी

A UNIT OF M.R.C. GROUP
च्यवन प्रकाशन

GGD OPD FACTS 151 नये जिले बनने से प्रमुख स्थानों का बदलाव

स्थान	पूर्ण जिला	वर्तमान जिला
मौजमाबाद	जयपुर	दूदू
विराट नगर	जयपुर	कोटपुतली-बहरोड़
नीमराणा	अलवर	कोटपुतली-बहरोड़
कोटपुतली	जयपुर	कोटपुतली-बहरोड़
बानसूर	अलवर	कोटपुतली-बहरोड़
बहरोड़	अलवर	कोटपुतली-बहरोड़
तिजारा	अलवर	खैरथल-तिजारा
टपूकड़ा	अलवर	खैरथल-तिजारा
मुण्डावर	अलवर	खैरथल-तिजारा
नीम का थाना	सीकर	नीम का थाना
श्री माधोपुर	सीकर	नीम का थाना
उदयपुरवाटी	झुन्झुनू	नीम का थाना
खेतड़ी	झुन्झुनू	नीम का थाना
ब्यावर	अजमेर	ब्यावर
जैतारण	पाली	ब्यावर
मसूदा	अजमेर	ब्यावर
बदनोर	भीलवाड़ा	ब्यावर
रायपुर	पाली	ब्यावर
विजयनगर	अजमेर	ब्यावर

GGD OPD FACTS 152 राजस्थान विधानसभा (16 वीं) परिणाम PART-1

कुल सीटे - 199
भाजपा - 115 (वोट प्रतिशत 41.69/)
कांग्रेस - 69 (वोट प्रतिशत 39.5/)
BAP - 03 (उमेश मीणा (आसपुर), राजकुमार रोत (चौरासी))
BSP - 02 (जसवंत गुर्जर (बाड़ी) मनोज कुमार (सार्दुलपुर))
RLP - 01 हनुमान बेनीवाल (खींवसर)
RLD - 01 सुभाष गर्ग (भरतपुर)
निर्दलीय - 08

सबसे बड़ी जीत -
दीया कुमारी (भाजपा)
विधाधर नगर सीट से 71368 वोटों से

सबसे छोटी जीत -
हंसराज पटेल (भाजपा)
कोटपुतली सीट से 321 वोटों से

UNIT OF M.R.C. GROUP
च्यवन प्रकाशन

GGD OPD FACTS 153 PART-2

राजस्थान विधानसभा (16 वी) परिणाम

16 वीं विधानसभा में चुनी गई **महिला विधायक**

महिला विधायक - 20

भाजपा - 09 (कुल 27 महिलाओं ने चुनाव लड़ा)
कांग्रेस - 09 (कुल 20 महिलाओं ने चुनाव लड़ा)
निर्दलीय - 02

भाजपा	
दीया कुमारी	विधाधर नगर
अनिता भदेल	अजमेर दक्षिण
दीप्ति किरण माहेश्वरी	राजसमंद
वसुन्धरा राजे	झालरापाटन
सिद्धि कुमारी	बीकानेर ईस्ट
शोभा चौहान	सोजत
डॉ. मंजू बाघमार	जायल
कल्पना देवी	लाडपुरा
नौक्षम चौधरी	कामां

कांग्रेस	
कु. रीटा चौधरी	मण्डावा
अनिता जाटव	हिण्डौन
शिमला देवी	अनूपगढ़
सुशीला रामेश्वर डूडी	नोखा
रमिला खड़िया	कुशलगढ़
इन्दिरा	बामनवास
गीता बरवड़	भोपालगढ़
शोभारानी कुशवाह	धौलपुर
शिखा मील बराला	चौमूं

निर्दलीय	
डॉ. प्रियंका चौधरी	बाड़मेर
डॉ. रितु बनावत	बयाना

GGD OPD FACTS 154 PART-2

नये जिले बनने से प्रमुख स्थानों का बदलाव

स्थान	पूर्ण जिला	वर्तमान जिला
केकड़ी	अजमेर	केकड़ी
भिनाय	अजमेर	केकड़ी
सरवाड़	अजमेर	केकड़ी
टोडारायसिंह	टोंक	केकड़ी
डीडवाना	नागौर	डीडवाना-कुचामन
लाडनूं	नागौर	डीडवाना-कुचामन
परबतसर	नागौर	डीडवाना-कुचामन
मकराना	नागौर	डीडवाना-कुचामन
नावां	नागौर	डीडवाना-कुचामन
कुचामन सिटी	नागौर	डीडवाना-कुचामन

स्थान	पूर्ण जिला	वर्तमान जिला
गिंगोली	नागौर	डीडवाना-कुचामन
किणसरिया	नागौर	डीडवाना-कुचामन
कुड़की	पाली	ब्यावर
शाहपुरा	भीलवाड़ा	शाहपुरा
जहाजपुर	भीलवाड़ा	शाहपुरा
फूलिया कलां	भीलवाड़ा	शाहपुरा
बनेड़ा	भीलवाड़ा	शाहपुरा
कोटड़ी	भीलवाड़ा	शाहपुरा
अनूपगढ़	श्री गंगानगर	अनूपगढ़

A UNIT OF M.R.C. GROUP
च्यवन प्रकाशन

GGD OPD FACTS 155

नये जिले बनने से प्रमुख स्थानों का बदलाव

स्थान	पूर्व ज़िला	नया ज़िला
रायसिंहनगर	श्री गंगानगर	अनूपगढ़
श्री विजयनगर	श्री गंगानगर	अनूपगढ़
घड़साना	श्री गंगानगर	अनूपगढ़
रावला	श्री गंगानगर	अनूपगढ़
जैतसर	श्री गंगानगर	अनूपगढ़
गंगापुर सिटी	सवाई माधोपुर	गंगापुर सिटी
तलावड़ा	सवाई माधोपुर	गंगापुर सिटी
बामनवास	सवाई माधोपुर	गंगापुर सिटी
टोडाभीम	करौली	गंगापुर सिटी
नादौती	करौली	गंगापुर सिटी
डीग	भरतपुर	डीग
कुम्हेर	भरतपुर	डीग
कामां	भरतपुर	डीग
ओसियां	जोधपुर	जोधपुर ग्रामीण
खारिया-खंगार	जोधपुर	जोधपुर ग्रामीण
बोरुन्दा	जोधपुर	जोधपुर ग्रामीण
खेजड़ली	जोधपुर	जोधपुर ग्रामीण
फलौदी	जोधपुर	फलौदी

GGD OPD FACTS 156

- मानवाधिकार दिवस - 10 दिसम्बर
- 10 दिसम्बर 1948 को संयुक्त राष्ट्र संघ में घोषणा-पत्र जारी किया था।
- मानवाधिकार दिवस की औपचारिक शुरुआत 1950 से हुई।
- उद्देश्य - मानवाधिकारों के महत्व के प्रति जागरूक करना।
- थीम (2023) - सभी के लिए स्वतंत्रता, समानता और न्याय

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग

- राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की स्थापना मानव संरक्षण अधिनियम 1993 के प्रावधानों के तहत 12 अक्टुबर 1993 को की गई।
- यह एक वैधानिक संस्था है।
- इसका मुख्यालय नई दिल्ली में है।
- संरचना - यह एक बहुसदस्यीय संस्था है जिसमें एक अध्यक्ष व चार सदस्य होते है।
- अध्यक्ष व सदस्यों की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली 6 सदस्यों वाली कमेटी की सिफारिशों के आधार पर की जाती है।
- कार्यकाल - 3 वर्ष या 70 वर्ष की उम्र जो भी पहले हो।
- अध्यक्ष उसी व्यक्ति को चुना जाता है जो भारत का मुख्य न्यायधीश या सर्वोच्च न्यायालय का न्यायधीश रहा हो।
- प्रथम अध्यक्ष - न्यायमुर्ति श्री रंगनाथ मिश्र
- वर्तमान अध्यक्ष - न्यायमुर्ति अरुण मिश्रा

A UNIT OF M.R.C. GROUP
च्यवन प्रकाशन

GGD OPD FACTS 157

नये जिले बनने से प्रमुख स्थानों में बदलाव

स्थान	पूर्व ज़िला	नया ज़िला
लोहावट	जोधपुर	फलौदी
देचू	जोधपुर	फलौदी
बाप	जोधपुर	फलौदी
घंटियाली	जोधपुर	फलौदी
खींचन	जोधपुर	फलौदी
बापिणी	जोधपुर	फलौदी
बालोतरा	बाड़मेर	बालोतरा
पचपदरा	बाड़मेर	बालोतरा
सिवाना	बाडमेर	बालोतरा

स्थान	पूर्व ज़िला	नया ज़िला
समदड़ी	बाड़मेर	बालोतरा
सिणधरी	बाड़मेर	बालोतरा
बायतु	बाड़मेर	बालोतरा
नाकोड़ा	बाड़मेर	बालोतरा
चितलवाना	जालौर	सांचौर
रानीवाड़ा	जालौर	सांचौर
सराड़ा	उदयपुर	सलूम्बर
लसाड़िया	उदयपुर	सलूम्बर
चावण्ड	उदयपुर	सलूम्बर

GGD OPD FACTS 158

प्रजामण्डल से संबंधित प्रमुख दिवस

जवाहर दिवस	(14 नवंबर 1930)	जैसलमेर रियासत
मोतीलाल दिवस	(05 अप्रैल 1931)	जयपुर रियासत
जयसिंहपुरा गोलीकांड	(21 जुलाई 1934)	शेखावाटी
सीकर दिवस	(26 मई 1935)	सीकर रियासत
कृष्णा दिवस	1936	मारवाड़ रियासत
उत्तरदायी शासन दिवस	(28 मार्च 1941)	जोधपुर रियासत
मारवाड़ सत्याग्रह	(26 जुलाई 1942)	जोधपुर रियासत
गांधी उपवास दिवस	(24 फरवरी 1943)	जयपुर रियासत
नेताजी दिवस	(23 जनवरी 1946)	बीकानेर
किसान दिवस	(06 जुलाई 1946)	बीकानेर
बीरबल दिवस	(17 जुलाई 1946)	बीकानेर
मुक्ति दिवस	(28 अक्टूबर 1946)	जयपुर

A UNIT OF M.R.C. GROUP
च्यवन प्रकाशन